Title: Regarding Womens' Reservation Bill.

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष महोदय, महिला रिजर्वेशन बिल अभी तक लंबित है। महिलाओं को 33 प्रतिशत रिजर्वेशन देने के प्रस्ताव के बारे में हमारा नया सुझाव है। सब मैम्बर्स को लगता है कि उनकी सीट जाती है। इसलिए मेरा सुझाव है कि एक-तिहाई सीटों को बढ़ाने की आवश्यकता है। 182 सीटों को बढ़ा कर इस ईशू को सॉल्व करना चाहिए। भारत सरकार को जल्दी से जल्दी इस ईशू को इम्प्लीमैंट करने की आवश्यकता है। मेरी मांग है कि एस.सी., एस.टी. और माईनौरिटी की महिलाओं को 110 सीटें और जनरल महिलाओं को 72 सीटें, इस तरह 182 सीटें बढ़ा कर इस मामले को सॉल्व करना चाहिए।

मैडम, मैं कहना चाहता हूं किâ€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप अध्यक्ष को मैडम कैसे बोल सकते हैं।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यदि मैडम पार्लियामैंट्री अफेयर्स मिनिस्टर महिला रिजर्वेशन बिल के बारे में कुछ बोलना चाहती हैं तो मेरी उनको इजाजत है, नहीं तो रामजी लाल सुमन जी, आप बोल सकते हैं।

श्री रामजीलाल सुमन : मैडम से पूछ लीजिए।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुमा स्वराज) : अध्यक्ष जी, महिला आरक्षण विधेयक को टालने का पुरुष वर्ग नया तरीका निकाल रहा है। उसमें से एक तरीका आज आठवले जी ने इजात किया है। अब यह नई चीज है कि जितनी सीटें हैं, उसमें 182 सीटें और बढ़ाएं तब महिलाओं को आरक्षण दें यानी 540 सीटों में से आरक्षण न दें, 182 सीटें और बढ़ाएं। इसे लटकाने, टकराने और टरकाने के कई तरीके निकाले जा रहे हैं। एक नया तरीका आज इजात किया गया है और उस पर चाह रहे हैं कि मैं इनको प्रतिक्रिया दूं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्रतिक्रिया नहीं देतीं तो इनके लिए अच्छा था।

श्री रामदास आठवले : मैंने कहा है कि सीटें बढ़ा कर इस ईशू को सॉल्व कर दिया जाए।â€¦ (व्यवधान)